श्री उपसभापति : कितना समय चाहेंगे माननीय सदस्य ?

श्री श्याम लाल यादव : अभी तो मैंने थोड़ा कहा है।

श्री उपसभापति : सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at two minutes past one of the clock.

The House reassembled at five minutes past two of the clock, **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

REFERENCE TO STATEMENT ON THE RECENT RAILWAY ACCIDENTS

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदय, एक शब्द मैं निवेदन करना चाहता था वैसे मैं ने आप को सूचना दी थी इसलिये कि इस विषय पर मैं आप के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करूं, लेकिन आप ने उस को रिजेक्ट कर दिया, लेकिन आप ने देखा कि हाल ही में आसाम मे रेल दुर्घटना हुई और उस के अलावा बंबई में दो गाड़ियों का टकराव हुआ जिस मे कितने ही लोग मारे गये। तो इस संबंध में सरकार की ओर से कोई बयान तो होना ही चाहिए ताकि उस पर हम कुछ विवाद कर सकते । लेकिन वह नहीं हुआ । और दूसरी चीज मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बात भी रेल मंत्रालय से ही सबंधित है कि शाही जी का प्रश्न आज ही के लिये था, तारांकित प्रश्न संख्या 221 इसमे माननीय नागेश्वर प्रसाद शाही जी ने प्रश्न किया था कि क्या यह सच है कि कलकत्ता मेल द्वारा दिल्ली से अलीगढ तक श्रीमती इन्दिरा गांधी के साथ वातानुकूलित डिब्बे में बिना टिकट यात्रा करते हुए तीन व्यक्तियों को हाल में रेलवे कर्मचारियों ने पकड़ा था और यदि हां, तो इस सम्बन्ध मे क्या ब्यौरा है ।

रेलवे मंत्री का उत्तर...

(Interruptions)

श्री उपसभापति : आपने पहले तो जो चर्चा शुरू की, वह भी नियमानुसार नही है, तो प्रौजेक्ट करने का फायदा क्या । मतलब ही नहीं निकलता अगर उस चीज में जाने लगेंगे ।

श्री भीष्म नारायण सिंह : लेकिन मांग तो कर सकते है ।

श्री उपसभापति : अपना स्थान ग्रहण कर लीजिये । किसी बात की माग कोई नही करता बगैर पूछे, बगैर परमिशन लिये ।

श्री भीष्म नारायण सिंह : सरकार का उत्तर कि कोई आदमी पकड़ा ही नहीं गया । रेडियो और अखबारों मे यह विषय आया है । हम लोगों का अधिकार जो है उसको प्रयोग करने की अनुमति तो दी जायेगी। यही मेरा निवेदन है ।

श्री उपसभापति : नियमानुसार आप जब चाहे, कोई विषय उठा सकते है । लेकिन बगैर परमिशन के जैसा कि आपने आज किया है, पहले कुछ कार्यवाई नही की, आपको रोकना भी उचित नही समझा। लेकिन इस तरह की चीज जो पहले मना की जा चुकी है, उसको इस तरह से शुरू कर देंगे, तो कोई प्रतिक्रिया चल नही सकती । बस इस बात को बढाइये नही, मेरा निवेदन है आपसे ।

श्री मनुभाई मोती लाल पटेल (गुजरात): यह पुराने मैम्बर है, ऐसा नये मैम्बर की वजह से कुछ नही हो रहा है ।

श्री उपसभापति : नया सैशन शुरू हुआ है और प्रारम्भ में ही ।

DISCUSSION ON THE WORKING OF MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS

contd.

श्री श्याम लाल यादव : जनता पार्टी और उसके मंत्री बार-बार इस बात की दुहाई देते हैं कि पिछले तीस साल में इतना धन, साधन नहीं दिया गया जिससे कृषि की अपेक्षा की गई है, उसके लिये विकास हो सके । लेकिन इस मंत्रालय ने कृषि के उत्पादन के लिये जो कार्य किया है, या जो कार्य हो रहा है, अगर उस तरफ माननीय सदन ध्यान देगें तो यह प्रतीत होगा कि इस मंत्रालय का बहुत बड़ा काम उर्वरक पैदा करना है और बगैर उर्वरक के आज खेती मे विकास होना असम्भव है। उर्वरक पर जितना धन अब तक लगाया गया है, उसके विकास की जो क्षमता इस देश में बनाई गई और जिस प्रकार से नई नई योजनाएं हाथ में ली जा रही है, क्या यह इस बात का सबूत नहीं है कि कृषि के लिये पर्याप्त ध्यान दिया गया है ।

मान्यवर, 1950 के शुरू में उर्वरक पैदा करने की कुल क्षमता हमारे देश में 85 हजार टन नाइट्रोजन की थी और 64 हजार टन पी2 ओ5 की और अब क्षमता जो बड़ी 3,028 लाख टन नाइट्रोजन की हो गई और .91 लाख टन पी2 ओ5 की हो गई और आज 24 वृहद उर्वरक कारखाने और 29 उर्वरक कारखाने सुपर-फासफेट पैदा कर रहे है । आगे की योजना, जैसा कि एक सवाल के जवाब में आपके सामने मान्यवर मंत्री जी ने बताया कि जो बाम्बे से एसोसिएटिड गैस मिल रही है, उससे और बड़े-बड़े कारखाने स्थापित किये जा रहे हैं ताकि उर्वरक की पैदावार बढ़ाई जा सके। इसलिये जो उत्पादन का लक्ष्य है उसमें बराबर वृद्धि होती चली जा रही है

आज उर्वरक का जो उपयोग हमारे देश में हो रहा है, सम्भवत: लगभग 18 किलोग्राम उर्वरक प्रति हैक्टर होता जा रहा है जो दुनिया के आंकड़ो को देखते हुए कम है और आज अधिकाश 80 प्रतिशत किसान केवल 20 प्रतिशश उर्वरक का उपयोग कर रहे हैं और 20 प्रतिशत किसान बाकी 80 प्रतिशत का उपयोग कर रहे हैं। इस तरह से यह जाहिर है कि उर्वरक का विकास हमारे देश मे उसके निर्माण के लिये बनाने के लिये और अधिक जोर देने की आवश्यकता है । उर्वरक में जो नाइट्रोजन, फासफेटिक और पोटाश है, उसमे पोटाश का भी आज निर्यात किया जा रहा है। हमारे कारखानों की क्षमता 80 प्रतिशत तक हो जाए तो मान्यवर मैं समझता हूं कि बहुत अच्छा होगा । किन्ही कारखानो मे जो स्टेबीलाइज्ड कारखाने हैं, उनकी क्षमता बढ़ी है, इसमे सन्देह नही है । लेकिन दूसरे कारखानों की क्षमता 36 प्रतिशत से गिर कर 26 प्रतिशत तक पहुंची है । यह बात समझ में नही आती । और मान्यवर मंत्री ने दूसरे सदन को बताया कि खास तौर से बिजली की कटौती के कारण इन कारखानों मे उर्वरक की पैदावार घटी है ।

उर्वरक पैदा करने के लिए आक्सीजन, नाइट्रोजन, कारबन, हाइड्रोजन, कोयला, पानी और बिजली तथा दूसरे तरीके हैं । इसलिए जाहिर है कि बिजली का बहुत बड़ा भाग इसमें काम आता है । जो विचार इस समय पैट्रोलियम मंत्रालय में चल रहा है कि ऐसे जहां कारखाने है वहां पर कैप्टिव प्लांट बिजली के लिए बनाये जायें, उस पर मुझे एक शंका है क्योंकि बिजली बोर्डों का कार्य जो अब तक देखा जा रहा है सारे देश में वह संतोषजनक नहीं कहा जा सकता ।